राजनीति विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग *150* शब्दों में टिप्पणी लिखिए :

Comment on the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) ''... राजनीतिक थियोरी एक पलायन तंत्र नहीं है, अपितु एक कठिन आह्वान है।'' (**जॉन प्लैमनेट्ज़**)

" ... political theory is not an escape mechanism but an arduous calling." (*John Plamanetz*)

(b) ''वाद-विवाद का सभी चुप करना अमोघता (इनूफैलिबिलिटी) का अभिगृहीत करना है।'' (**जे० एस० मिल**)

"All silencing of discussion is an assumption of infallibility." (*J. S. Mill*)

(c) ''राष्ट्रवाद केवल एक राजनीतिक प्रोग्राम नहीं है, अपितु धर्म की तरह जीवन का एक मार्ग है।'' (**अरविन्द घोष**)

"Nationalism is not a mere political programme but a way of life like religion." (*Aurobindo Ghose*)

(d) ''भारत ने एक तरह के न्यायिक लोकतंत्र को ऊपर उठाया है जिसका अन्यत्र कोई समरूप नहीं है, तथा एक तरह के नागरिक समाज का पोषण किया है जो कि अनन्य रूप से इसका अपना है।'' (**भीखू पारेख**)

"India has thrown up a form of judicial democracy that has no parallel anywhere else, and has nurtured a kind of civil society that is uniquely its own." (*Bhikhu Parekh*)

(e) ''शक्ति कभी भी एक व्यक्ति की सम्पत्ति नहीं होती है; यह एक समूह के पास होती है और तभी तक अस्तित्व में रहती है जब तक समूह एकसाथ बना रहता है।'' (**हन्ना आॅरेन्ट**)

"Power is never the property of an individual; it belongs to a group and remains in existence only so long as the group keeps together." (*Hannah Arendt*)

2. *(a)* इस दृष्टिकोण की समीक्षा कीजिए कि हो सकता है कि इक्कीसवीं सदी में समाजवाद का पूँजीवाद-विरोध के रूप में पुनर्जन्म हो जाय।

Comment on the view that socialism in the 21st century may be reborn as anti-capitalism. 20

(b) आधुनिक समाजों में वैधता (लिजिटिमेसी) को अनुरक्षित करने के लिए आवश्यक शर्तों का परीक्षण कीजिए।

Examine the conditions that are required for the maintenance of legitimacy in modern societies. 15

(c) भारतीय राजनीतिक चिन्तन में बुद्धवादी परम्परा के योगदानों का मूल्यांकन कीजिए।

Evaluate the contributions of Buddhist tradition to Indian political thought. 15

3. (a) समुदायवादी विचारकों की समीक्षाओं में न्याय की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए।

Explicate the conception of justice in the critiques of communitarian theorists. 20

(b) फासीवादी तथा मार्क्सवादी विचारधाराओं में राज्य की संकल्पना का परीक्षण कीजिए।

Examine the conception of the State in the ideologies of Fascism and Marxism. 15

(c) किस प्रकार स्वतंत्रता, समानता के लिए एक पूर्व-शर्त है? समानता और स्वतंत्रता के मध्य सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

How is liberty a precondition for equality? Explicate the relationship between equality and liberty. 15

4. (a) स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार मैकियविली द्वारा मानव-मामलों में आनुभविक प्रणाली का अनुप्रयोग राजनीति विज्ञान के विकास में एक महत्त्वपूर्ण चरण को चिह्नित करता है।

Explain how Machiavelli's application of empirical method to human affairs marks an important stage in the evolution of political science. 20

(b) अरस्तू के राजनीतिक चिन्तन के केन्द्र में उसकी 'पॉलिटिक्स' में विभिन्न प्रकारों के राजनीतिक संविधानों का वर्गीकरण है। मूल्यांकन कीजिए।

Central to Aristotle's political thought is his classification of the different types of political constitutions in the *Politics*. Evaluate. 15

(c) विमर्शी (डिलिबरेटिव) लोकतंत्र के अभिलक्षणों को स्पष्ट कीजिए।

Explicate the features of deliberative democracy. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग *150* शब्दों में टिप्पणी लिखिए :

Comment on the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) भारत में मानवाधिकार आन्दोलनों की दुविधाएँ

The dilemmas of the human rights movements in India

(b) भारत में नृजातीयता और लोकतंत्र के बीच सम्बन्ध

Relation between ethnicity and democracy in India

(c) राज्य नीति के निदेशक तत्त्वों पर बढ़ता हुआ उच्चतर फोकस

Increasingly higher focus on Directive Principles of State Policy

(d) भारत में वामपन्थी विचारधारा का हाशिये पर जाना

Marginalization of the left ideology in India

(e) सुशासन को बढ़ावा देने में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की भूमिका

The role of the Comptroller and Auditor General of India in promoting good governance

6. (a) दलितों के विरुद्ध हिंसा को नियंत्रित करने में, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की कार्यप्रणाली की विवेचना कीजिए।

Discuss the working of the National Commission for Scheduled Castes to curb violence against Dalits. 20

(b) भारत में महिला आन्दोलनों की व्याप्ति और परिसीमाओं का परीक्षण कीजिए।

Examine the scope and limitations of women's movements in India. 15

(c) स्पष्ट कीजिए कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किसान आन्दोलनों ने किस प्रकार राष्ट्रीय विचारों को आगे बढ़ाया।

Explain how peasant movements promoted nationalist ideas during the struggle for Indian independence. 15

7. (a) भारत में चुनाव प्रक्रिया में सुधारों की प्रकृति का विवेचन कीजिए तथा और आगे सुधारों की गुंजाइश को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the nature of reforms of the electoral process in India and explain the further scope for reforms. 20

(b) भारत की उच्चतर न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति की क्रियाविधि पर वाद-विवादों का परीक्षण कीजिए।

Examine the debates on the appointment procedure of judges to the higher judiciary in India. 15

(c) स्पष्ट कीजिए कि महिलाओं की भागीदारी ने भारत के ग्रामीण स्थानीय निकायों की कार्यात्मकता पर किस प्रकार असर डाला है।

Explain how the participation of women impacted the functioning of rural local bodies in India. 15

8. (a) उपयुक्त उदाहरण देकर समझाइए कि दबाव समूह किस प्रकार लोक नीति-निर्माण को प्रभावित कर रहे हैं।

Explain how pressure groups have been influencing public policy-making with suitable illustrations. 20

(b) धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार के सांविधानिक संरक्षण के उपबन्ध कौन-से हैं और वे भारत में धर्मनिरपेक्षता को बढ़ाने में कहाँ तक सफल हुए हैं?

What are the provisions for constitutional protection of right to freedom of religion and how far have they succeeded in promoting secularism in India? 15

(c) भारत में पिछले एक दशक के दौरान, विधायकों के सामाजिक-आर्थिक वर्णन (प्रोफाइल) में बदलावों के कारण बताइए।

Account for the changes in the socio-economic profile of legislators during last one decade in India. 15

★★★